

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग IL खण्ड 3-उप-खण्ड (i)
PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सo 263]

नई बिल्ली, शुक्रवार, अगस्तः 6, 1993/श्रावण 15, 1915

No. 263]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 6, 1993/SRAVANA 15, 1915

वित्त मन्नात्रय

(श्राधिक कार्य विभाग)

(बीमा प्रभाग)

श्रधिसूचना

जर्ड **द**ल्ली, 6 भ्रगम्ब, 1993

मा.त्रा नि 53। (ग्र.) --कर्द्राय गरकार, जीवन बीमा निगम भ्रत्नित्यम, 1956 (1956 ना 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करने हुए, भारतीय जीवन बीसा निगम (एजेन्ट) नियम, 1972 का और मशासन करने के लिए निस्नलिश्नित नियम बनाती है, अर्थान् --

- (1) इस निष्यो का संक्षित नाम भारतीय जीवन वीगा निगम (च्यान) संशोधन नियस, 1993 है।
 - (2) य । विस्तर, 1993 तो प्रथम हुए समक्षे जाएगे।

भारतीय जोटन यीपा निगम (एजेन्ट) नियम 1972 में ---

- (क) अनम्र्जः 2 क पहले रतस्य मे, "एजेंस्ट द्वारः प्राप्त पानिसी निस्तिविद्यत्त वीगा वालिश्वाओं के प्रत्तर्गत हैं" णीर्षक के नीज—
 - (i) "86, 93 और 103" तातिका सक्याक्षे और शब्द के स्थान पर "86, 93, 109, 106, 107 और 108" तार्गिका सक्याक और शब्द रखे जाएंते।

(ii) तालिका सन्धाक "117" और उसमें सबक्षित प्रविष्टियों के पश्चान् निम्नलिखित प्रन्तस्थापित किया जाएगा, प्रयति —

						_		!-		 	
109	15	5	5	15	່ວ	5	15	5	5	 ·	~ "
										 	

- ें (ख) अनुसूची IV के पहले स्वस्म में "एकेन्ट द्वारा प्राप्त पालिसी निम्त्रलिखित बीमा तालिकाओं के श्रन्सगैत हैं" शीर्षक के नीचें,—
 - (i) "86 93 और 103" तालिका सम्प्रांको और मध्य के स्थान पर--"86, 93 103, 106, 107 और 198" तालिका मध्याक और शब्द रखे जाएंगे,
 - (1i) तालिका स्थ्याक "117" और उससे प्रविधित प्रविधियों के प्रवास् निस्तितिक मन्त्राधापित किया जाएगा, प्रथित्—

109 15 5 5 5 15 5 5 15 5 - - -"

[स १1 (1)|बीमा 2,/1993] र्स एकः राषः, संतुष्तः सचित्र

मार्प्यकारक ज्ञापन

भारतीय जायन दीमा जिनम न (लाभ गिहरा) दा नहं बीमा याज-नाएं भयित् जीवन सुरिभ (राभ सहिता) याजना और जीवन सुरुत्या (लाभ सहिता) योजना 1 नवरभर 1992 स प्रारम्भ की है। परिणाम-स्वरूप इन याजनाओं के अथन एजेन्टा वा सदय नमायन का दरे 1 नवस्बर, 1992 से अनुमोदित की गई है। तदनुसार, नियमों को 1 नवस्बर, 1992 से अनुमोदित की गई है। तदनुसार, नियमों को

- (2) यह प्रमाणित किया जाता है कि भारताय जीवन वीसा निशम के किसी बीमा एजेन्ट पर इस प्रधियूजना की भृतनकी प्रभाव दिए जाने से प्रतिकृत प्रभाव पड़ों की संशोधना नहीं है।
- टिप्पण --मृल नियम, भारा के राजपन ताराख 1 मई 1972 म अधिसूषना सन्ता ई (ई जी/ए जी/आर ई जी एन/जा ओ बी-IV/ ई। जैंड एम के अधीन प्रकाशित किए एए ये और परजात-वर्ती उन्हें अधिस्चना सन्द्या 81 (1)/बीमा 11/75 ताराख 1 सितस्बर, 1976, सदया 81 (12)/बीमा 11/78 तारीख 1 सितम्बर, 1978, मा का नि स 487 तारीख 29 मई, 1982, सो का नि स 224 तारीख 29 मई, 1986, सो का नि स 251 तारीख 11 अप्रैल, 1987, सो का नि स 511 तारीख 13 अस्तूबर, 1999, और मो का नि स 55 तारीख 15 दिसम्बर, 1990 और मो का नि स 55 तारीख 11 जनवर्री,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Insurance Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th August, 1993

- G.S.R. 534(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India (Agents) Rules, 1972, namely:
- 1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India (Agents) Amendment Rules, 1993.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1992.
- 2. In the Life Insurance Corporation of India (Agents) Rules, 1972,
 - (a) in Schedule II, in the first column, under the heading "Where the policy secured by the Agent is under Assurance Table Nos.",—

- (1) for the table Numbers and word "86,93 and 103", the table numbers and word '86, 93, 103, 106, 107 and 108" shall be substituted.
- (ii) after table Number "117" and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

- (b) in Schedule IV, in the first column, under the heading "Where the policy secured by the agent 13 under Assurance Table Nos.",—
 - (i) for the table numbers and word "86, 93 and 103", the table numbers and word "86, 93, 103, 106, 107 and 108" shall be substituted;
- (ii) after table number "117" and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely —

[No. 81(1)|Ins.II|93]

C. S. RAO, Jt Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Life Insurance Corporation of India has introduced (with-profit) two new insurance plans viz. Jeevan Surabhi (with-profits) Plan and Jeevan Sukanaya (with-profits) Plan with effect from 1st November, 1992. Consequently, the rates of commission payable under the Plans to the Agents have been approved with effect from 1st November, 1992. The rules are accordingly given retrospective effect from 1st November, 1992.

2. It is certified that no insurance agent of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by the Notification being given actrospective effect.

Note: The Principal Rules were published under Notification No. Dev|Ag|Regn.|Gov.IV|DZM in the Gazette of India dated 1st May, 1972 subsequently amended by Notification No. 81(4)|Ins. II|75 dated 1st September, 1976, No. 81(12)|Ins. II|78 dated 1st September, 1978, G.S.R. No. 487 dated 29th May, 1982, G.S.R. No. 228 dated 29th March, 1986, G.S.R. No. 251 dated 11th April, 1987, G.S.R. No. 811 dated 13th October, 1989, G.S.R. No. 745 dated 15th December, 1990 and G.S.R. No. 35 dated 14th January, 1992.